

पेट्रोल में मिलावट

+

*822. श्री डी० बी० चन्द्र गौडा :
श्री एम० एस्० पुरती :

क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पेट्रोल में मिलावट होने के कारण अधिकांश वाहनों द्वारा धुआं छोड़ने के समाचार सरकार को प्राप्त हुए हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI DALBIR SINGH):

(a) Except for a few stray cases the Government have not received any complaints regarding emission of smoke by the vehicles on account of large scale adulteration in Motor Spirit (commonly known as petrol).

(b) Does not arise.

SHRI D. B. CHANDRA GOWDA: The hon. Minister has accepted that there is emission of smoke, but not on a large scale. I have received a lot of complaints, especially from Bangalore that not only about the emission of smoke but also about the emission of smell. May I know from the hon. Minister what concrete steps he proposes to take to probe into the matter and set things right?

SHRI DALBIR SINGH: He has referred to some cases and we shall look into it.

SHRI D. B. CHANDRA GOWDA: Is that one of the reasons why the consumption of petrol has come down compared to the previous years?

SHRI DALBIR SINGH: Consumption of petrol in 1970 was 14,10,000 metric tonnes; in 1971, 15,16,000 metric tonnes and in 1972, 15,86,000 metric tonnes. It is wrong to say that consumption of petrol has come down.

SHRI D. B. CHANDRA GOWDA: My question was whether it was one of the reasons why consumption of petrol has come down. If not, what are the reasons?

MR. SPEAKER: He has given the figures; it has not come down.

श्री एम० एस्० पुरती : मंत्री महोदय ने बताया कि बड़े पमाने पर पेट्रोल में मिलावट की कोई शिकायत नहीं मिली है कुछ छुटपुट मामलों की शिकायतें मिली हैं। क्या ये छुटपुट मामले आगे चल कर बड़े नहीं हो सकते और इन से वायु-दूषण में बढ़ि नहीं हो सकती ? इन छुटपुट मामलों को रोकने के लिए सरकार कौन सा कदम उठा रही है ?

श्री दलबीर सिंह : अगर केसेज बहुत ज्यादा तादाद में आयें तब समझा जाता है कि बड़े पैमाने पर ऐसी चीज हो रही है। लेकिन अगर केसेज बहुत थोड़ी तादाद में आयें तो उस से यह समझा जाता है कि मामूली शिकायत है। हमारे पास इस सम्बन्ध में सिर्फ तीन शिकायतें आई हैं—एक लुधियाना में—जिस की डीलरशिप को टर्मिनेट कर दिया गया है। दूसरा केस दिल्ली के अन्दर था जो सन्स्टेन्शियेट नहीं हो सका। तीसरा केस भी दिल्ली में था जिस को वानिग दी गई है। जहां जहां इस किस्म का केस सामने आता है उस के खिलाफ कार्यवाही की जाती है।

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, the hon. Minister has come out with a concrete and comprehensive reply in this regard. Because of this fact that a large-scale adulteration in petrol is in vogue for the last several years being indulged in by the petrol dealers and agents, whether the Ministry is thinking of re-organising the dealership or agencies of such people who are indulging in adulteration? What is the answer from the hon. Minister?

SHRI DALBIR SINGH: So far as adulteration of petrol is concerned, there is a possibility of this adulteration being made by the dealers with the lower boiling solvents. A high-powered committee which was constituted to suggest a measure for curbing the consumption of petroleum products has suggested that the prices of lower boiling solvents and motor spirit should be brought nearly on par. That recommendation has been accepted and with this measure, there is no disparity between the price of the solvents and the price of M.S. And therefore, the chances of adulteration on this account are eliminated.

SHRI K. LAKKAPPA: My question is quite different. He has not answered that.

MR. SPEAKER: He was asking about the change of policy with regard to the dealership. You say 'Yes' or 'No'.

SHRI DALBIR SINGH: As regards reorganisation of the dealerships and agencies, his suggestion would be considered.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : लोग दूध में पानी मिलाते हैं, क्या पानी क दाम बढ़ाने से मिलावट रुक जायेगी ?

अध्यक्ष महोदय : पानी भी कई तरह का होता है ।

SHRI K. CHIKKALINGAIAH: Is it a fact that due to wore-out piston—oil rings, complete combustion is not affected?

MR. SPEAKER: I do not come in between yourself and the Minister.

He is at liberty to satisfy you. You give him a chance to reply.

SHRI K. CHIKKALINGAIAH: Is it a fact that due to worn-out oil rings in the piston, complete combustion is not affected? Because carbon dioxide escapes alongwith the smoke as also monoxide which is injurious to health,

is it not necessary to see that something is done in this regard?

SHRI DALBIR SINGH: I have not received any such complaint.

श्री हुस्म चन्द कछबाय : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूँ कि क्या ऐसी कोई व्यवस्था शासन ने बनाई है; जिसमें जितने भी पेट्रोल पंप्स हैं विशेष कर जो देहातों में हैं मेन लाइन पर नहीं हैं वहां पर मिट्टी का तेल मिला कर बेचा जाता है उसकी जांच की जा सके ? क्या आपने ऐसा कोई कानून बनाया है कि मिलावट करने वालों को कठोर दण्ड दिया जाये ? यदि ऐसा कोई कानून नहीं बनाया है तो क्या आगे ऐसा कानून बनाने का विचार रखते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : पहले भी यही प्रश्न था ।

श्री बलबीर सिंह : मिट्टी के तेल का जहां तक सवाल है या जहां तक उसके डिस्टिलेशन का सवाल है स्टेट गवर्नमेंट्स की पावर्स एसेंशियल कमीडिटीज ऐक्ट के अण्डर आती हैं और उसमें स्टेट गवर्नमेंट्स पूरी काम्पिटेंट हैं; उनको पूरी पावर्स हैं कि अगर इस किस्म की को शिकायत मिलती है किसी एरिया में तो फौरन उस पर ऐक्शन ले सकती हैं । इसमें हमारा जो कंट्रोल है वह स्टेट गवर्नमेंट्स के थु है; हमारी एजेन्सी स्टेट गवर्नमेंट्स ही हैं और जब स्टेट गवर्नमेंट्स के नोटिस में कोई बात आती है नामली तो वह उसमें ऐक्शन लेती हैं ।

श्री हुस्म चन्द कछबाय : ऐसा कोई कानून भी बनाने जा रहे हैं जिसमें कठोर दण्ड दिया जा सके ।

अध्यक्ष महोदय : कितना भी साफ जवाब आये आपका यह हमेशा का तरीका है ।

श्री हुकले शब्द कछुवाय : मिलावट के लिए कोई कानून सरकार ने बनाया है क्या ?

श्रु प्रध्यक्ष महोदय : उन्होंने बतलाया तो है कि कानून है।

श्री मधु लिमये : प्रध्यक्ष महोदय शायद आपकी याद होगा कुछ साल पहले इस महान सरकार ने गंगा जी में प्राय लगाने का करिष्मा करके दिखाया था। बरोनी से जो चोरी का तेल निकाला जाता है वह एक दिन पकड़ा जा रहा था इस लिये गंगा जी में बहा दिया गया और मेरी जानकारी है कि न केवल बरोनी रिफाइनरी से बल्कि भारत की हर सरकारी रिफाइनरी से चोरी का पेट्रोल बड़े पैमाने पर बाहर जाता है इसका कोई दाम सरकार को मिलता नहीं है और पब्लिक को भी उसका कोई फायदा नहीं होता है और उसी में मिलावट ज्यादा होती है तो क्या सरकार (व्यवधान) क्या आप स्वीकर हैं ? मैं तो देख रहा हूँ कांग्रेस पार्टी के सारे सदस्य स्वीकर बन गए हैं।

श्रु प्रध्यक्ष महोदय : स्वीकर को आप बीच में मत लाइये।

श्री मधु लिमये : क्या सरकार इस चोरी के पेट्रोल की जांच करेगी जिसके जरिए बड़े पैमाने पर मिलावटी पेट्रोल वितरित किया जाता है ?

श्रु प्रध्यक्ष महोदय : यह बड़ा सीधा सा सवाल शुरू हुआ था।

श्री मधु लिमये : चोरी का पेट्रोल मिलावटी पेट्रोल बन कर बाजार में बेचा जाता है।

श्री बलबीर सिंह : अगर माननीय सदस्य इस क्वेश्चन की कोई शिकायत मेरी नॉटिस में लायेंगे तो उसे पर कानून की जायेगी।

श्री मधु लिमये : आपका सिक्योरिटी विभाग क्या करता है जो रिफाइनरी में होता है ? हर प्रश्न का यह उत्तर नहीं हो सकता है। (व्यवधान)।

Meeting of Chief Ministers of Drought affected states in New Delhi

+

*823. SHRI P. GANGADEB:
SHRI P. M. MEHTA:

Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether he attended the meeting of the Chief Ministers of all drought affected States which was convened in New Delhi on the 21st March, 1973;

(b) whether question of water for irrigation purposes also figured in the deliberations; and

(c) if so, the decisions arrived at?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI BALGOVIND VERMA): (a). A Conference of Chief Ministers was held in New Delhi on 24-2-1973 to discuss and finalise taking over of wholesale trade in wheat. This was not attended by the Minister of Irrigation and Power. There was no Conference of Chief Ministers on drought affected areas on 21st March, 1973.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

SHR P. GANGADEB: Although the conference did not discuss specifically the drought situation in the country, now that summer months are on, I would like to know whether the Centre has made any survey of the last year's drought affected areas of Orissa and if so, what measures are proposed to meet the situation, including tubewells, lift irrigation facilities etc. already sanctioned or proposed to be sanctioned in these areas?